वह जिसने विश्वास करने का साहस किया - नाटक

होप कनेक्ट अगस्त 2015

अभिनेता: मोर्दकै, एस्तेर, हामान, राजा और सन्देशवाहक

कथावाचक: मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ। एक सच्ची कहानी। एक औरत और एक आदमी की ताकत की कहानी, जिन्होंने विश्वास करने का साहस किया।

यह कहानी उस समय की है जब औरतों को मर्दों के सुख-विलास के लिए सौंप दिया जाता था। औरतों के पास न तो कोई ताकत थी, न कोई अधिकार, न आवाज़ और न ही सम्मान।

यहूदियों में से अब्राहाम नामक एक व्यक्ति के वंश में से बिन्यामीन के गोत्र का एक व्यक्ति था, जिसका नाम मोर्दकै था।

मोर्दकै: (ऐक्शन: कमरे में आता है, सामने खड़ा होता है और दर्शकों को नमस्ते करता है।)

कथावाचक: यहूदियों में से अब्राहाम नामक व्यक्ति के वंश में से बिन्यामीन के गोत्र के इस मोर्दकै की एक चचेरी बहन थी, जिसका नाम एस्तेर था।

एस्तेर: (ऐक्शन: कमरे में आती है, सामने खड़ी होती है और दर्शकों को नमस्ते करती है।)

कथावाचक: एस्तेर के माता-पिता का देहान्त हो जाने पर...

एस्तेर: (ऐक्शन: रोती है।)

कथावाचक: मोर्दकै एस्तेर को अपने पास ले आया। मोर्दकै एस्तेर को अपनी बेटी की तरह प्रेम करता था।

मोर्दकै: (ऐक्शन: एस्तेर के कन्धे पर हाथ रखकर उसे तस्सली देता है। एस्तेर चुप हो जाती है और दोनों एकसाथ कमरे में से बाहर चले जाते हैं।)

कथावाचक: कुछ वर्ष बीतने पर।

कथावाचक: उस समय के सबसे ताकतवर देश का दूसरा सबसे ताकतवर व्यक्ति अपने आदर की माँग करता था, डर के सहारे शासन करता था और अपनी ताकत का इस्तेमाल बुराई के लिए, अपने निजी लाभ के लिए और प्रशंसा पाने के लिए करता था। उसका नाम हामान था।

हामान: (ऐक्शन: कमरे में आता है...बाजू मोड़कर और नाक हवा में ऊँची करके खड़ा होता है।)

कथावाचक: हामान यहूदियों से नफरत करता था और उसने समूचे यहूदी राष्ट्र के विनाश का आदेश दे दिया था। राजा ने हामान को यह अधिकार दे दिया था कि वह यहूदियों के साथ जो चाहे करे।

हामान: (कागज खोलता है और पढ़ता है) सब यहूदियों को मार डाला जायेगा। मरने के लिए तैयार हो जाओ!

कथावाचक: राजा एस्तेर से प्रसन्न था। उसने उसे अपनी पटरानी बनाया था। रानी एस्तेर ने अपने मन में एक राज़ छिपा रखा था। उसने राजा को यह नहीं बताया था कि वह यहूदी जाति की थी।

रानी एस्तेर: (ऐक्शन: राजसिंहासन (कुर्सी) पर बैठती है।)

मोर्दकै और **सन्देशवाहक:** (ऐक्शन: अन्दर आते हैं।)

मोर्दकै: (ऐक्शन: सन्देशवाहक के कान में कुछ कहता है।)

सन्देशवाहक (रानी एस्तेर से): मोर्दकै ने एक सन्देश भेजा है, हामान ने हमारे सब लोगों, हमारी पूरी जाति और हमारे परिवारों को मार डालने के लिए एक कानून पारित किया है। राजा के पास जाओ और हमारे लोगों के लिए विनती करो।

कथावाचक: रानी एस्तेर को बहुत दुख होता है।

रानी एस्तेर (सन्देशवाहक से): मोर्दकै से कहो कि न तो मेरे पास कोई ताकत है, न अधिकार! मेरी बात कोई नहीं सुनेगा, इस कानून के विषय मैं कुछ नहीं कर सकती। यदि मैं महाराज द्वारा बिना बुलाये उनके पास उनके दरबार में चली गयी, तो मैं मार डाली जाऊँगी।

मोर्दकै (सन्देशवाहक से): रानी एस्तेर से कहो, क्या तुम्हें लगता है कि तुम बच जाओगी? यदि तुम चुप रही तो परमेश्वर छुटकारे का प्रबन्ध कहीं ओर से कर देंगे, किन्तु तुम मारी जाओगी। क्या पता परमेश्वर ने तुम्हें ऐसे ही समय के लिए रानी के पद तक पहुँचाया है।

एस्तेर (सन्देशवाहक से): मोर्दकै से कहो, राजा के शीत महल के सभी यहूदियों को मेरे साथ उपवास करने के लिए इकट्ठा करो। मैं राजा के पास जाऊँगी और अपने लोगों के लिए विनती करूँगी। चाहे इस कानून को तोड़ने की सज़ा मौत है, फिर भी यदि मुझे मरना पड़ा, तो मैं मरने के लिए तैयार हूँ।

कथावाचक: एस्तेर अपने मन में जानती थी कि उसे अपने लोगों को बचाने का प्रयास करना होगा, फिर चाहे इसके लिए उसे मरना ही क्यों न पड़े। मोर्दकै और एस्तेर, दोनों ही जानते थे कि उनके जीवन के लिए परमेश्वर के पास ऐसे ही समय के लिए एक उद्देश्य और योजना थी।

राजा: (ऐक्शन: अपने राजसिंहासन पर बैठा हुआ है और एस्तेर को अपने पास आने की अनुमति देता है।)

रानी एस्तेर: हामान ने मेरे सब लोगों, मेरी पूरी जाति और मेरे परिवार को मार डालने के लिए एक कानून पारित किया है।

हामान: (ऐक्शन: अपनी जान की भीख माँगता है।)

राजा: हामान को ले जाओ और इसे फाँसी पर लटका दो। हामान से मेरी अँगुठी ले लो और मोर्दकै को मेरे पास लाओ।

मोर्दकै: (ऐक्शन: राजा के सामने खड़ा होता है।) **राजा:** (ऐक्शन: अपनी अँगुठी को उसकी अँगुली में पहना देता है।)

कथावाचक: यहाँ पर एक आदमी मोर्दकै और एक औरत एस्तेर की कहानी खत्म होती है, जिन्होंने परमेश्वर पर विश्वास करने का साहस किया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें ऐसे ही समय के लिए रचा था।

यहाँ आये प्रत्येक व्यक्ति के लिए परमेश्वर के पास एक योजना और भविष्य है। आशा और विजय से भरपूर जीवन।

एस्तेर के समान परमेश्वर ने हमें भी ऐसे ही समय के लिए यहाँ रखा है। चाहे संसार दुष्टता से भरा हुआ है, चाहे लोग हमें यीशु पर विश्वास करने के कारण सताते हैं, चाहे इस संसार में हमें संघर्ष करना पड़ता है, फिर भी हमारे पास एक आशा और भविष्य है।

आज के लिए आशा, कि हम परमेश्वर को और अधिक जानें, कि परमेश्वर जो कुछ हैं और उन्होंने जो कुछ किया है वह सब प्राप्त करें, कि यह जानें कि हमसे प्रेम किया गया है, कि हमें शुद्ध, क्षमा, आज़ाद, चंगा, नया और पुनर्स्थापित किया गया है, कि दुष्टता से भरे इस संसार में हम परमेश्वर के पुनरुत्थान के सामर्थ्य में जियें, ताकि यह संसार परमेश्वर को जान सके।

आने वाले कल के लिए एक आशा, कि हमें स्वर्ग में एक स्थान मिलेगा, जहाँ हम अपने सिद्ध पुनरुत्थित शरीर में सदाकाल के लिए जियेंगे जो न तो कभी बूढ़ा होगा और न ही रोगी, जहाँ न तो आँसू होंगे, न दुख और न पीड़ा। एक ऐसा स्थान जहाँ हम परमेश्वर को आमने-सामने देखेंगे।

जी हाँ, हम में से प्रत्येक व्यक्ति के लिए परमेश्वर के पास ऐसे ही समय के लिए एक योजना और एक भविष्य है।

<प्रार्थना करें>